पुस्तकालय

2415
19-7-03

असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

18 JUL 2003

(भाग 1—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

बि० स० मु० (एल० ए०) 85--मोनो--500--19-3-2002--,

टर्न-8/ 18.07.2003
विजय ।

(24)

(व्यवधान)

अध्यक्ष: दो महीने के अंदर बदल दिया जाएगा मंत्री ने कहा ।

श्री शैलेश ... उर्फ बुलो मंडल: दो महीना तो बहुत हो गया महोदय ।

अध्यक्ष: जितना जल्द ... होगा, करवा देंगे ।

श्री शैलेश उर्फ बुलो मंडल: जितना जल्दी, कितना ? वहां जो 10 एम०भी०ए० का ट्रांसफारमर है चालू है वह भी जल जाएगा ।

श्री श्याम ... रजक (राज्यमंत्री): 10एम०भी०ए० का जो ट्रांसफारमर लगाया गया है उससे विद्युत आपूर्ति चालू है महोदय ।

श्री शैलेश उर्फ बुलो मंडल: कितने समय में होगा ... समय सीमा का आश्वासन सिर्फ मंत्री महोदय से चाहता हूं ।

अध्यक्ष: मंत्री जी, आप इसको जल्द करवा दें ।

तारांकित प्रश्न संख्या-1534

श्री अखिलेश प्र० सिंह (राज्यमंत्री): 1- उत्तर स्वीकारात्मक है ।
अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, महम्मदपुर में दोनों पद देशी चिकित्सक के लिए कर्णांकित है ।

2- वस्तु स्थिति यह है कि ऐसे अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जहां दोनों पद देशी चिकित्सक के लिए कर्णांकित है वहां सरकार एक पद पर देशी चिकित्सक तथा दूसरे पर ऐलोपैथिक चिकित्सक के पदस्थापन हेतु निर्णय ... (...) विचाराधीन है ।

3- उपर्युक्त कंडिका 2 में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है ।

श्री रंजीत कुमार सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या यह बात सही है कि पिछले 13.12.02 को राज्यमंत्री ने इसी सदन में

टर्न-8/ 18.07.2003 (25)

विजय ।

अतिरिक्त प्राथमिक स्वा0 केन्द्र महम्मदपुर में एक एलोपैथिक चिकित्सक का पद सैंक्शन करने और डा0 की प्रतिनियुक्ति का आश्वासन दिया था और कहा था कि दो महीने के अंदर अतिरिक्त प्राथमिक स्वा0 केन्द्र में एक पदस्थापित कर दिया जाएगा । 6 महीने बीत जाने के बाद भी एलोपैथिक चिकित्सक की पदस्थापना नहीं की गयी है । महोदय, सिंघवलिया प्रखंड में अस्पताल नहीं है जबकि उसके 12 पंचायत हैं और 80 हजार की आबादी है इसके बावजूद वहां एक भी एलोपैथिक चिकित्सक नहीं हैं ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष: मंत्री जी, पिछले 6 महीने पूर्व ही आश्वस्त किया गया था ।

(व्यवधान)

श्री अखिलेश प्र0 सिंह (राज्यमंत्री): महोदय, दोनों मंत्रियों में सहमति बन गयी है । इस 2 तारीख को मिटींग हुई थी ।

(व्यवधान)

डा0 शकील अहमद (मंत्री): महोदय, दो पद चिकित्सकों का होता है । दोनों देशी चिकित्सक क्षेत्र में चले गए हैं ।

श्री भोला प्रसाद सिंह: अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । व्यवस्था का प्रश्न यह है, माननीय मंत्री दोनों सदन में आने के पहले इस प्रश्न पर विचार विमर्श कर क्यों नहीं कोई निर्णय लिया ?

अध्यक्ष: विचार कर आए हैं इसलिए जवाब दे रहे हैं ।

डा0 शकील अहमद (मंत्री): अध्यक्ष महोदय, उसी विचार से आपको और सदन को अवगत कराने जा रहे हैं । हमलोगों ने बैठकर आज से 15 दिन पहले दोनों मंत्रियों ने बैठक की थी उसी का सूचना दे रहा हूं । हमलोगों ने निर्णय ले लिया है कि जहां दोनों पद देशी चिकित्सक के क्षेत्र में हैं वहां से एक पद वापस कर दूसरे जगह करेंगे और उसी एक पद पर एलोपैथिक चिकित्सक को

(26)

पदस्थापना करेंगे । यह नीतिगत निर्णय हो गया है ।

अध्यक्ष: पिछले ही बार आपने दो महीना का समय लिया था अब एक महीने के अंदर पदस्थापित कर दीजिये ।

(व्यवधान)

श्री शकुनी चौधरी (मंत्री) अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि यह मामला कैबिनेट में जाएगा और यह प्रक्रिया बहुत दिनों से चल रही थी ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष: यह नीतिगत फैसला है जहां दो देशी चिकित्सक हैं वहां के संबंध में दोनों मंत्रियों ने बैठकर जो फैसला लिया वह कैबिनेट में तो जाएगा ही । एक पद हटेगा, दूसरी जगह जाएगा

श्री शकुनी चौधरी [मंत्री]: यह 77 जगह का मामला है ।

अध्यक्ष : इसमें कैबिनेट से हो जाने के बाद तुरंत करवा दीजिये ।

श्री शकुनी चौधरी [मंत्री]: जी हाँ, उसमें कहीं दिक्कत नहीं होगी ।

श्री मंजीत कुमार सिंह : यह नीतिगत फैसला था महोदय, तो नीतिगत फैसले को कैबिनेट से ऐप्रूवल लेना था तो किस आधार पर माननीय मंत्री ने आश्वासन दिया था कि दो माह के अन्दर कराने का ?

अध्यक्ष : इनलोगों ने सोचा होगा, जल्दी से करा देंगे, नहीं करवा पाये ।

श्री मंजीत कुमार सिंह : महोदय, हमने 8.50 लाख रूपये की लागत से उसका भवन बनवा दिया, ऐम्बुलेंस दे दिया, सारा काम करवा दिया ।

श्री शकुनी चौधरी [मंत्री]: डाक्टर तो हैं ही वहाँ ।

अध्यक्ष : डेपुटेशन पर ?

श्री शकुनी चौधरी [मंत्री]: जी हाँ ।

[व्यवधान]

अध्यक्ष : माननीय नेता, समता पार्टी, मंजीत कुमार सिंह काबिल हैं, वे अपनी बात कह रहे हैं, समझ रहे हैं उनकी बात, सहयोग आपको देने की आवश्यकता नहीं है । करवा रहे हैं, बैठिये न ।

[व्यवधान]

संरक्षण तो हम देंगे । आपलोग ऐसे मत कीजिये ।

[व्यवधान]

माननीय मंत्री, यह बताइये कि वहाँ कौन चिकित्सक हैं ?

श्री शकुनी चौधरी [मंत्री]: अध्यक्ष महोदय, पहले से कर्णांकित है देसी चिकित्सा के लिये । चिकित्सक वहाँ पदस्थापित हैं, इनके आग्रह पर ।

[व्यवधान]

अध्यक्ष : उनको पूछने दीजिये, आपको हम समय देंगे ।

श्री नवीन किशोर प्र0 सिन्हा : हुजूर, मैं व्यवस्था के प्रश्न पर खड़ा हूँ । मेरा प्रश्न यह है कि आसन से यह अनुरोध है कि हमप सारे माननीय सदस्यगण कीमती समय देकर सदन में बैठते हैं, आसन भी गम्भीर रहता है और हमलोग भी गम्भीर रहते हैं, मंत्री किसी बिंदु पर जवाब देते हैं, आश्वासन देते हैं तो उसकी गरिमा होनी चाहिये, उसका अनुपालन नहीं होता है, सदन [illegible] को, माननीय मंत्री [illegible] हल्के ढंग से लेकर यदि इस तरह से आश्वासन देंगे तो हमलोग सदन में क्यों आयें ?

[व्यवधान]

अध्यक्ष : नहीं-नहीं । माननीय मंत्री, आप बैठिये । माननीय मंत्री, शकुनी चौधरीजी, जरा शांत रहिये । क्यों इस तरह की बात करते हैं ? आपलोग बैठिये ।

(व्यवधान)

बैठना होगा । हमारी बात सुनिये ।

(व्यवधान)

आप हमारी बात सुनिये । आप बैठिये ।

(व्यवधान)

नहीं, इस तरह से नहीं चलेगा । यह नहीं ।

(व्यवधान)

आप बैठिये । बैठ जाइये । ... बैठ जाइये, बैठिये ।

(व्यवधान)

बैठिये, रामेश्वरजी, बैठिये । बैठिये ।

(व्यवधान)

... एक तकलीफदेह बात यह है कि, यह बात ठीक है कि विधान सभा में आपने आश्वस्त किया छः माह पहले और कहा कि दो माह में चिकित्सक चले जायेंगे ।

(... क्रमशः ....)